

---

Shri Krishnashtakam

श्रीकृष्णाष्टकम्

Document Information

---

Text title : kRiShNa aShTaka 9

File name : kRRiShNASHTakam9.itx

Category : aShTaka, vishhnu, krishna, brahmAnanda, vishnu

Location : doc\_vishhnu

Author : Brahmananda

Transliterated by : Vedha Nathan vnathan.lab at gmail.com

Proofread by : Vedha Nathan vnathan.lab at gmail.com, NA

Latest update : February 10, 2019

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 17, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीकृष्णाष्टकम्



त्रिभुवनालिसरोजसरोवरं परममोदपयःसुपयोनिधिम् ।  
विमलयोगिमनोऽलिकुशेशयं यदुकुलैकमणिन्तमहम्भजे ॥ १ ॥

जलजपीठमुखामरदेशिकं भवविरिञ्चिसुरेन्द्रकृतस्तवम् ।  
निखिलकामितशीकरतोयदं यदुकुलैकमणिन्तमहम्भजे ॥ २ ॥

अदितिजाम्बुजपुञ्जदिवाकरं दितिजकञ्जतुषारजवोपमम् ।  
विगतमोहमजञ्जननान्तकं यदुकुलैकमणिन्तमहम्भजे ॥ ३ ॥

त्रिजगदम्बुरुहोदितभास्करं सकलसत्त्वहृदञ्जकृतालयम् ।  
स्वजनमोहमहार्णवपोतकं यदुकुलैकमणिन्तमहम्भजे ॥ ४ ॥

श्रुतिमयोज्ज्वलकौस्तुभमालिकं रवमुकभूतमयास्त्रचतुष्टयम् ।  
सभुवनाण्डकदम्बकमेखलं यदुकुलैकमणिन्तमहम्भजे ॥ ५ ॥

दिनकरादिविभासकभासकं श्रुतिमुखाक्षगणाक्षमनक्षकम् ।  
ज्वलनमारुतश्क्रमदापहं यदुकुलैकमणिन्तमहम्भजे ॥ ६ ॥

जलधिजाननकञ्जमधुव्रतं रुचिररूपविकृष्टवराङ्गनम् ।  
यतिवरादरगीतचरित्रकं यदुकुलैकमणिन्तमहम्भजे ॥ ७ ॥

क्रतुपतिङ्कृपतिञ्जगताम्पतिं पतिपतिंविपतिङ्कमलापतिम् ।  
फणिपतिङ्गजगोकुलगोपतिं यदुकुलैकमणिन्तमहम्भजे ॥ ८ ॥

यदुपतेरिदमष्टकमद्भुतं वृजिनशुष्कवनोग्रदवानलम् ।  
पठतियस्तुसमाहितचेतसा सलभतेऽखिलयोगफलन्दुतम् ॥ ९ ॥

॥ इति श्रीस्वामिब्रह्मानन्दविरचितं श्रीकृष्णाष्टकं सम्पूर्णम् ॥

(द्रुतविलम्बितं वृत्तं)


समानार्थी शब्दाः

ज - ब्रह्मा, यतिवर - शुकादयः, कु - पृथिवी, विगतः पतिर्यस्मात्,


विपतिं - गरुडास्यवा, फणिपती - शेषः, गज - गजेन्द्रः

Encoded and proofread by Vedha Nathan vnathan.lab at gmail.com, NA

---

——  
*Shri Krishnashtakam*

pdf was typeset on September 17, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

